हिन्दुस्तान पूर्णिया • सोमवार • 02 दिसंबर 2019 • 04

किशनगंज आसपास

एड्स दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली

रविवार को एड्स दिवस पर आयोजित कार्यशाला में मौजूद सीएस व अन्य।

किशनगंज | एक संवाददाता

आयोजन

- अस्पताल में हुआ कार्यशाला का आयोजन
- बीमारी को रोकना समाज के लिए बड़ी चुनौती

विश्व एड्स दिवस पर रविवार को सदर अस्पताल व राहत संस्था के द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई। सदर अस्पताल परिसर से निकाली गई जागरुकता रैली को सीएस डॉ. परशुराम प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में एएनएम स्कूल की छात्राएं व नर्स शामिल हुई, जो शहर के कई मार्गों का भ्रमण करते हुए सदर अस्पताल पहुंचकर संपन्न हुआ। इसके बाद इस अवसर पर सीएस कार्यालय के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें सीएस डॉ. परशुराम प्रसाद ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए एड्स पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि जागरुकता ही एड्स से बचाव है। लोगों को जागरुकता के साथ सावधानी भी बरतने की बात कही। अस्पताल कर्मियों से कहा कि अपनी सुरक्षा करें और ग्लाबस पहनकर काम करें। कोई भी दुर्घटना में घायल व्यक्ति आते हैं तो उनके साथ अच्छा व्यवहार करते हुए सावधानी से काम करें। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि एड्स दिवस पर अपने विचार रखे और इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे बचाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आये दिन महिलाओं के साथ दुष्कर्म का मामला आते रहता है।

इस पर रोक लगना चाहिए साथ ही महिलाओं को सुरक्षा की व्यवस्था करने की बात कही। डीएस डॉ. अनवर हुसैन ने एचआईवी के फैलने व उससे बचाव के तरीके बताये। डॉ. एस के सिंह ने कहा कि सभी को जागरुक होने की बात कही। एएनएम स्कूल की प्राचार्य सुमन ने कहा कि सभी नर्स सही तरीके से ट्रेनिंग ले और भाव के साथ काम करें। डीआईओ डॉ. रफत हुसैन ने एचआईवी पीड़ित का जांच एवं इलाज के बाद सूई को नष्ट कैसे करा जाये।

4 दैनिक जागरण पूर्णिया, 26 दिसंबर 2019

जीविकोपार्जन से जुड़कर महिलाएं बन रहीं स्वावलंबी

शहर के कजलामनी में झोला बनाने को लेकर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में मौजूद महिलाएं।

संवाद सहयोगी, किशनगंज : महिलाओं को जीविकोपार्जन से जोड़ कर उन्हें स्वावलंबी बनाना जरूरी है। जिससे कि महिलाएं स्वयं आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन बसर करने में कामयाब हो। इसके लिए पीड़ित महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 25 पीड़ित महिलाओं को थैला बनाने से लेकर छपाई के काम सिखाएं जा रहे हैं। यह बातें बुधवार को नगर परिषद उपाध्यक्ष हीरा पासवान ने कही।

उन्होंने कहा कि प्रयोग के तौर पर थैला बनाना और छपाई का काम सिखाए गए हैं। संस्था हमेशा ही पीड़ितों की मदद करती रहती है। कानूनी परामर्श से लेकर जीविका जैसे कार्य कर पीड़ित व शोषित महिलाओं को स्वावलंबन के राह पर अग्रसर होने का गुड़ सिखाए जा रहे हैं। घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं को कानूनी सलाह देकर उनका हक भी दिलाने का प्रयास होता रहता है। वहीं डॉ. फरजाना बेगम ने कही कि समाज को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए महिलाओं ने शपथ ली। जिससे हमारा समाज में रहने वाले लोगों का जीवन स्वस्थ और सुरक्षित हो सके। अब इन महिलाओं द्वारा तैयार थैले बाजार में बिकेंगे। इनसे जो भी आमदनी आएगी, उस आमदनी को काम करने वाली महिलाओं के बीच बराबर बांट दिया जाएगा। प्रो. लिपी मोदी और अधिवक्ता अर्चना ने कही कि जररूतमंद महिलाओं को हर संभव कानूनी सहयोग देंगे।

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता कर्त्तव्य समर्पण
पटना नई दिल्ली लखनऊ गोरखपुर कानपुर देहरादून वाराणसी से प्रकाशित
पटना
आमंत्रण मूल्य मात्र ₹ 3.00
बृहस्पतिवार • 26 दिसम्बर • 2019
16 पृष्ठ, मूल्य ₹ 4.00

पीड़ित महिलाओं की मदद के लिए राहत संस्था तत्पर : फरजाना

सहारा न्यूज ब्यूरो
किशनगंज।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ साथ प्लास्टिक के खिलाफ देशव्यापी मुहिम में राहत संस्था ने भी एक अनोखी शुरुआत की है।

राहत संस्था ने महिलाओं को जीविका के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोला है जिसमें पच्चीस पीड़िताओं के द्वारा कपड़े का थैला बनाने और छपाई सिखाकर उनसे यह काम करवाया जाता है। इससे पीड़ित महिलाओं को मदद तो मिलती ही है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है और लोगों को प्लास्टिक के बदले कपड़े के थैला का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस बाबत राहत संस्था कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नगरपरिषद अध्यक्ष हीरा पासवान, राहत संस्था की निदेशिका फरजाना बेगम, प्रो

प्लास्टिक के खिलाफ मुहिम मे भाग लेते नप अध्यक्ष।

लिपि मोदी ने भाग लिया। कार्यक्रम में बोलते हुए राहत संस्था की निदेशिका फरजाना बेगम ने बताया कि राहत संस्था हमेशा पीड़ितों की मदद के लिए तत्पर रहती है। कानूनी परामर्श से लेकर जीविका जैसे कार्य करती है, वैसी महिलाएं जो हिंसा की शिकार है उन्हे कानूनी सलाह और स्वरोजगार के लिए भी सहयोग करती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में थैला बनाने से लेकर छपाई तक का कार्य महिलाओं द्वारा आरंभ किया गया है।

प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ राष्ट्र बनाना है। इस अवसर पर नगरपरिषद अध्यक्ष हीरा पासवान ने कहा कि राहत संस्था महिला उत्थान की दिशा में काफी अच्छा कार्य कर रही है, महिलाओं को स्वरोजगार तो मिलता ही है। साथ ही प्लास्टिक मुक्त शहर का सपना भी साकार होगा। दिल्ली से आई निशा दुबे ओर इशांत ने सभो को प्रोत्साहन किया है।

कार्यक्रम में मुख्य रुप से अधिवक्ता पुष्पा झा, अधिवक्ता अर्चना, समाजसेवी चंदन श्रीवास्तव, रंजीत सिंह, दानिश एहसान, यासमीन, माला, सोनी, आजाद सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाएं उपस्थित थी।

राहत संस्था व आई पार्टनर द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम

चाइल्ड ट्रैफिकिंग और बाल विवाह पर रखें नजर

- सामाजिक संगठन की ओर से स्कूलों में किया जा रहा है जागरूक
- बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में दी जा रही है जानकारी

जागरूकता

किशनगंज | संवाददाता

16 डेज ऑफ एक्टिविजम अभियान के तहत राहत संस्था व आई पार्टनर के द्वारा बंगाल के धनतोला हाई स्कूल में महिला हिंसा के विरूद्ध बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रधानाध्यापक ग्यासुद्दीन ने कहा कि बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी दी जा रही है। ताकि बच्चे अच्छे व बुड़े की जानकारी ले सकें।

चीन दौरे से वापस लौटी राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रो में ट्राफिकिंग का मामला अक्सर उजागर होता रहता है। कम उम्र के बच्चों को बहला फुसलाकर महानगरों में बेच दिया जाता है। सीमावर्ती क्षेत्र से सटे नेपाल व बंग्लादेश की सीमा समीप होने के कारण मानव तस्करी के मामले में सामने आते हैं। ऐसे में सबों को

बुधवार को धनतोला हाईस्कूल में कार्यक्रम में शामिल राहत संस्था की सचिव सहित स्कूल के बच्चे • हिन्दुस्तान

जागरूक होने की आवश्यकता है। जागरूक होकर ट्राफिकिंग के मामलों पर अंकुश लगाया जा सकता है। डॉ. फरजाना बेगम ने बाल विवाह की रोकथाम पर भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बाल विवाह के ज्यादातर मामले सामने आते हैं। बाल विवाह रोकने के लिए भी लोगों को जागरूक होना पड़ेगा। उन्होने शिक्षकों व बच्चों से अपील करते हुए कहा कि आप के आसपास इस प्रकार की घटना घटित होती है तो अपने नजदीकी थाने को इसकी सूचना दें। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के बीच मेहंदी प्रतियोगिता, खेलकूद, दौड़, चित्रकला आदि का आयोजन किया गया। जिसमे सफल बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना ने कहा कि राहत संस्था गांव जोड़ों अभियान के तहत 30 गांव को जोड़ेगी।

घरेलू हिंसा रोकने को होना होगा जागरूक

किशनगंज | संवाददाता

राहत व आई पार्टनर के द्वारा संयुक्त रूप से जेंडर जस्टीस के मुद्दे पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन शहर के एक नीजि होटल में किया गया है। उक्त प्रशिक्षण दिल्ली से आई साधन सेवी मधुबाला के द्वारा दिया गया।

मधुबाला ने कहा कि घरेलू हिंसा को रोकने के लिए सभी को जागरूक होना पड़ेगा। खासकर महिला गृहणियों को भी इसके लिए जागरूक होना पड़ेगा। जागरूक होकर ही घरेलू हिंसा को रोका जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण देते हुए कहा कि समान जीवन जीना हर मनुष्य का मौलिक अधिकार है।

बेटा व बेटी में कोई फर्क नहीं है। सभी एक समान है। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि सभी को समान जीवन जीने का अधिकार है। ज्यादा लोग बेटी व बेटे में फर्क करने लगते हैं।

जबकि बेटी और बेटा दोनो को एक नजरिये से देखना चाहिए। उन्होंने घरेलू हिंसा विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि हिंसा मुक्त जीवन हर मानव का अधिकार है। परिवार, समाज व सरकार तीनों के पहल से ही विकास संभव है। डीपीओ अजीत कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षित होकर घरेलू हिंसा को रोका जा सकता है।

साधन सेवी अधिवक्ता पुष्पा झा ने भी घरेलू हिंसा कानून के बारे में जानकारी दी। राहत के समन्वयक प्रवीण प्रसाद ने भी अपने विचार प्रकट किये। इस मौके पर याशमीन, एहसान, माला, इबारत, अनूज, अफसारा, राहुल कुमार, राजेन्द्र प्रसाद आदि सहित अन्य सदस्य बैठक में मौजूद थे।

सोमवार को शहर के एक निजी होटल में आयोजित प्रशिक्षण में भाग लेने पहुंचे सदस्य। • हिन्दुस्तान

जनपथ समाचार

सिलीगुड़ी 1 जनवरी 2020

बाल-विवाह, देह व्यापार, बाल मजदूरी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्यक्रम आयोजित

किशनगंज (निज संवाददाता)। देश सहित सीमांचल जिला किशनगंज में भी महिला, ट्रैफिकिंग बाल विवाह, देह व्यापार, बाल मजदूरी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर किशनगंज राहत संस्था द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला परिषद अध्यक्षा सह चेयरमैन 'फरहत फातिमा की अध्यक्षा में बहादुरगंज टाउन हॉल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित क्या गया। यहां मौजूद राहत संस्था की सचिव डॉ. फरज़ाना बेगम ने अपने संबोधन में कहा कि बाल सुरक्षा का बहुत अहम् मुद्दा है। बाल व्यापार, बाल मज़दूर, बाल विवाह, बाल यौन शोषण जैसे संगीन अपराध को रोकने के लिए बाल संरक्षण इकाई का अहम रोल है। हर प्रखंड, पंचायत, वार्ड को बेहद मज़बूद करने की आवशकता है।

जिला परिषद अध्यक्षा ने कहा किबाल संरक्षण इकाई को मज़बूत किया जाये, सभी जनप्रतिनिधियों को बच्चों के मुद्दे के लिए आगे आना होगा। पलायन को रोकना होगा। जीविका के जिला प्रबंधन अबधेश कुमार ने कहा कि जुविका की दीदी को भी मानव व्यापार को रोकने के लिए जागरूक होना होगा।

मौजूद थाना अध्यक्ष ने कहा कि कोई भी समस्या हो तो पुलिस को बताये। कोई भी महिला हर थाने पर अपना आवेदन भेज सकती हैं। जिला परिषद इमरान आलम ने कहा कि अभी भी बच्चियां लापता हैं और नहीं मिल रही हैं। अररिया से प्रमंडलीय स्तर के संयोजक संजय कुमार ने कहा कि केबबरा का विस्तार किया जायेगा।

कार्यक्रम • महिला दिवस पर कक्षा नौ की छात्रा बनी एक दिन की महिला थानाध्यक्ष

महिलाओं का उत्थान और सुरक्षा करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता : डीएम

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कई कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | किशनगंज

महिला दिवस पर जिले में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शुरुआत थाना परिसर से हुई। सदर थाना में डीएम व एसपी की मौजूदगी में महिला सशक्तिकरण को लेकर महिलाओं को जागरूक किया गया। इसमें विभिन्न स्कूली बच्चियां व राहत संस्था, आई पार्टनर, महिला सेल के सदस्य मौजूद थे। एक दिन के लिए महिला थानाध्यक्ष नौवीं की छात्रा ज्योति कुमारी को बनाया गया। वरीय अधिकारियों ने हौसला आफजाई की। कार्यक्रम के बाद छात्रा ज्योति महिला थाना के वाहन से गश्त पर भी निकली।

बच्चियों को थाना परिसर स्थित अलग-अलग कमरे की जानकारी दी गई। इस दौरान डीएम डॉ. आदित्य प्रकाश ने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। खुद को पहचानने की जरूरत है। पुलिस व प्रशासन आपके साथ आपके लिए है। किसी भी परिस्थिति में घबराएं नहीं। एसपी कुमार आशीष ने बच्चियों को पुलिस की कार्य शैली की विस्तृत जानकारी दी। एसपी ने कहा कि महिलाओं के लिए पुलिस तत्पर होकर काम कर रही है। सुरक्षा के लिए पिंक पेट्रोलिंग का भी गठन किया है। जो कोचिंग व विद्यालय परिसर के इर्दगिर्द तैनात रहते हैं। बच्चियां पिंक पेट्रोलिंग का नंबर रखें मुसीबत में फोन कर अविलंव सहायता ले सकतें हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय महिलामण्डल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मण्डल की किशनगंज शाखा द्वारा स्कूटी रैली निकालकर जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कुमार आशीष ने टाउन थाना परिसर से इस स्कूटी रैली को ध्वज दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई तेरापंथ भवन पहुंची। तेरापंथ भवन में जिलाधिकारी डॉ आदित्य प्रकाश, एसपी कुमार आशीष को तेरापंथ महिलामण्डल द्वारा शाल भेंट कर अभिनन्दन किया। महिलामण्डल कि सदस्याओं ने मंगलाचरण गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

महिला थानाध्यक्ष बनी नौवीं की छात्रा ज्योति व मौजूद एसपी व अन्य।

डीएम ने की महिला सशक्तीकरण के कार्य की सराहना

जिलाधिकारी ने महिला सशक्तिकरण के लिए पुलिस अधीक्षक कुमार आशीष द्वारा करवाये जा रहे सभी कार्यक्रमों की सराहना करते हुए क्रम को बरकरार रखने को कहा। एसपी कुमार आशीष ने कई उदाहरणों के माध्यम से नारी शक्ति को समझाया। महिलामण्डल अध्यक्षा सायर कोठारी, अभातेयुप महामंत्री मनीष दफ्तरी, कन्या मंडल से शशि श्यामसुखा, कवयित्री निधि चौधरी सहित कई वक्ताओं ने भी मंच में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में डीएम, एसपी, डीएसपी अजय झा, महिलामण्डल अध्यक्ष सायर कोठारी, उपाध्यक्ष विनीता दफ्तरी, राहत फाउंडेशन की डॉ फरजाना बेगम, अभातेयुप महामंत्री मनीष दफ्तरी, रेडक्रॉस सचिव मिक्की साहा, महिला थानाध्यक्ष पुष्पलता कुमारी, महिला पुलिस, राहत, आई पाटनर, महिला सेल समेत कई अन्य संस्थाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रभा बैद और कमल चोरिया ने किया। कार्यक्रम में डीएसपी हेडक्वार्टर अजय कुमार झा, महिला थानाध्यक्ष पुष्पलता कुमारी, रेड क्रॉस सचिव मिक्की साह, फरजाना बेगम, शशि शर्मा, मनीष दफ्तरी, सायर कोठारी, चेंरूप दुग्गड़, थानाध्यक्ष राजेश तिवारी, मेजर सुनील कुमार, सीआई इरशाद आलम, इंस्पेक्टर मनीष कुमार, मेराज हुसैन , अर्पिता साह, कुमारी गुड्डी, मोनिका प्रसाद आदि प्रमुखतः मौजूद थे।

यातायात महिला पुलिस कर्मियों के साथ (दायें से चौथा) एसपी कुमार आशीष व (दायें से तीसरे) मुख्यालय डीएसपी अजय कुमार झा • जागरण

महिला पुलिस कर्मियों के हवाले ट्रैफिक

संवाद सहयोगी, किशनगंज : महिला दिवस के मौके पर एसपी कुमार आशीष ने जिला पुलिस बल में तैनात महिला सिपाहियों को यातायात व्यवस्था की कमान सौंपी।

एसपी के निर्देश पर महिला सिपाहियों को शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर तैनात किया गया। होली पर्व [illegible] कारण बाजार में खरीदारी करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। लेकिन कमान संभालते ही महिला सिपाहियों ने यातायात व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया।

महिलाओं ने निकाली स्कूटी रैली

संवाद सहयोगी, किशनगंज : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट करने और महिलाओं में आत्मसम्मान जागृत करने के उद्देश्य से महिला थाना, तेरापंथ महिला मंडल और राहत संस्था के सौजन्य से स्कूटी रैली निकाली गई। रविवार को एसपी कुमार आशीष ने टाउन थाना परिसर में रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तत्पश्चात रैली में शामिल महिलाएं ट्राफिक नियम का पालन करते हुए पूरे शहर का परिभ्रमण किया और आकर्षक नारों से लोगों को जागरूक किया।

यह रैली डुमरिया, डे मार्केट, गांधी चौक, बाजार होते हुए पुरबपली स्तिथ तेरापंथ भवन पहुंच कर समाप्त हो गई।